नमाज़ में मसलकों का फ़र्क़

बच्चों और नए सीखने वालों के लिए आसान चार्ट: हनफ़ी, शाफ़ई, मालिकी, हंबली और जाफ़री (शिया)।

Quran Plus School
quranplusschool.com

विषय	हनफ़ी	शाफ़ई	मालिकी	हंबली	जाफ़री (शिया)
तकबीर के बाद हाथ	नाफ़ के नीचे बँधे (औरतें: सीने पर)	सीने के नीचे, नाफ़ के ऊपर बँधे	दोनों तरफ़ छोड़कर (सदल)	नाफ़ के नीचे बँधे	दोनों तरफ़ / रानों पर
रफ़ा-ए-यदैन (हाथ उठाना)	सिर्फ़ तकबीर-ए-तहरीमा में	तकबीर-ए-तहरीमा, रुकू, रुकू से उठते और तीसरी रकअत के लिए उठते वक़्त	सिर्फ़ तकबीर-ए-तहरीमा में	तकबीर-ए-तहरीमा, रुकू और रुकू से उठते वक़्त	तकबीरों के साथ (मुस्तहब)
दुआ-ए-इस्तिफ़्ताह	सना: सुब्हानकल्लाहुम्मा...	वज्जहतु वज्हिया...	फ़र्ज़ नमाज़ों में नहीं	सुब्हानकल्लाहुम्मा...	कोई मुक़र्रर दुआ नहीं
सूरह फ़ातिहा से पहले बिस्मिल्लाह	आहिस्ता पढ़ी जाती है	सूरह फ़ातिहा का हिस्सा — जहरी नमाज़ों में बुलंद आवाज़ से	फ़र्ज़ नमाज़ों में नहीं पढ़ी जाती	आहिस्ता पढ़ी जाती है	हमेशा पढ़ी जाती है
इमाम के पीछे सूरह फ़ातिहा	मुक़तदी ख़ामोश रहे	मुक़तदी हर नमाज़ में पढ़े	सिर्री नमाज़ों में पढ़े, जहरी में सुने	सिर्री नमाज़ों में पढ़े, जहरी में सुने	पहली दो रकअतों में इमाम की क़िराअत काफ़ी
आमीन	आहिस्ता	जहरी नमाज़ों में बुलंद आवाज़ से	आहिस्ता	जहरी नमाज़ों में बुलंद आवाज़ से	नहीं कही जाती
क़ुनूत	वित्र (तीसरी रकअत) में, रुकू से पहले	फ़ज्र (दूसरी रकअत) में, रुकू के बाद	फ़ज्र (दूसरी रकअत) में, आहिस्ता, रुकू से पहले	वित्र में, रुकू के बाद	हर नमाज़ की दूसरी रकअत में, रुकू से पहले
तशह्हुद में बैठना	बायाँ पैर बिछाकर, दायाँ खड़ा (औरतें: पैर दाईं तरफ़)	पहला: बायाँ पैर बिछाकर; आख़िरी: तवर्रुक	हर क़ादे में तवर्रुक	पहला: बायाँ पैर बिछाकर; आख़िरी: तवर्रुक	इत्मीनान से बैठना (तवर्रुक मुस्तहब)
तशह्हुद के अल्फ़ाज़	हज़रत इब्ने मसऊद (रज़ि.)	हज़रत इब्ने अब्बास (रज़ि.)	हज़रत उमर (रज़ि.)	हज़रत इब्ने मसऊद (रज़ि.)	अश्हदु... सलवात के साथ
शहादत की उंगली	"ला इलाहा" पर उठाएँ, "इल्लल्लाह" पर रख दें	"इल्लल्लाह" पर उठाकर बिना हिलाए रखें	आहिस्ता दाएँ-बाएँ हिलाना	हर बार अल्लाह के नाम पर इशारा	हाथ रानों पर
तीसरी और चौथी रकअत	सूरह फ़ातिहा	सूरह फ़ातिहा	सूरह फ़ातिहा	सूरह फ़ातिहा	सूरह फ़ातिहा या तस्बीहात-ए-अरबआ
सलाम	दो: दाएँ और बाएँ	दो: दाएँ और बाएँ	एक, थोड़ा दाईं तरफ़ मुड़कर	दो: दाएँ और बाएँ	अस्सलामु अलैकुम... (दो और सलामों के बाद)
वित्र	3 रकअत, एक सलाम — वाजिब	1–11 रकअत, आम तौर पर 3 (2 + 1) — सुन्नत	2 रकअत (शफ़अ) के बाद 1 रकअत — सुन्नत	1–11 रकअत, आम तौर पर 3 (2 + 1) — सुन्नत	2 रकअत (शफ़अ) के बाद 1 रकअत — मुस्तहब नमाज़-ए-शब
सज्दा किस चीज़ पर	कोई भी पाक जगह	कोई भी पाक जगह	कोई भी पाक जगह	कोई भी पाक जगह	ज़मीन या उससे उगने वाली चीज़ (खाने या पहनने की नहीं), जैसे तुर्बा (सज्दागाह)
दो नमाज़ें मिलाकर पढ़ना	सिर्फ़ हज में अरफ़ा और मुज़दलिफ़ा में	सफ़र जैसे शरई उज़्र में जाइज़	सफ़र जैसे शरई उज़्र में जाइज़	सफ़र जैसे शरई उज़्र में जाइज़	हर वक़्त जाइज़

Free to print and share for personal & classroom use · ©2026 Quran Plus School

quranplusschool.com · WhatsApp +92 317 0924964

Book a FREE trial class

जिन बातों पर सब मुत्तफ़िक़ हैं

- रोज़ाना पाँच नमाज़ें, उनके वक़्त पर, क़िबला की तरफ़ रुख़ करके।
- वुज़ू, पाक जिस्म, पाक कपड़े और पाक जगह।
- हर नमाज़ में फ़र्ज़ रकअतों की तादाद एक जैसी।
- «अल्लाहु अकबर» से शुरुआत; हर रकअत में फ़ातिहा, रुकू और दो सज्दे।
- तशह्हुद के लिए बैठना और सलाम पर नमाज़ ख़त्म करना।
- इत्मीनान, आजिज़ी और अल्लाह की तरफ़ मुतवज्जेह दिल।

फ़र्ज़ रकअतें: फ़ज्र 2 · ज़ुहर 4 · अस्र 4 · मग़रिब 3 · इशा 4

एहतिराम की बात

नमाज़ के ये पाँचों तरीक़े क़ुरआन और सुन्नत ही से लिए गए हैं; हर मकतब-ए-फ़िक्र ने दलीलों को अपनी समझ के मुताबिक़ लिया है। यह बच्चों और नए सीखने वालों के लिए एक आसान रहनुमा है, जैसा कि हर मकतब में आम तौर पर सिखाया जाता है — अपने मसलक पर अमल करें और तफ़सील किसी मुस्तनद आलिम या उस्ताद से सीखें।

ऑनलाइन खोलें
पाँचों मसलक · चार्ट

Free to print and share for personal & classroom use · ©2026 Quran Plus School

quranplusschool.com · WhatsApp +92 317 0924964

Book a FREE trial class